ईरान-यूएई तनाव से तेल की कीमतों में उछाल

ब्रेंट क्रूड 114 डॉलर, डब्लूटीआई 106 डॉलर पर

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमले, तेल बाजार में भारी हलचल

नई दिल्ली 5 मई. ईरान और यूएई के बीच सैन्य तनाव के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को तेज़ी देखी गई.ब्रेंट क्रूड 6.27 डॉलर या 5.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 114.44 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जबकि अमेरिकी डब्लूटीआई क्रूड 4.48 डॉलर या 4.4 प्रतिशत, की तेजी के साथ 106.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया.

इस उछाल की मुख्य वजह ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कई जहाजों को निशाना बनाना और यूएई के प्रमुख तेल बंदरगाह पर आग लगाना रही.इस हमले से खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता गहरी हो गई.

हमले में यूएई , दक्षिण कोरिया और अन्य देशों के जहाज भी प्रभावित हुए.अमेरिकी नौसेना ने हस्तक्षेप कर मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोकने की कोशिश की. विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर दिया है.

अगर तनाव और बढ़ता है तो तेल की कीमतें और तेजी से बढ़ सकती हैं.ओपीईसी ने आपूर्ति को बनाए रखने के लिए उत्पादन बढ़ाने की योजना बनाई है.यूएई ने भी स्पष्ट किया है कि वह वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए तैयार है.

> हालांकि अप्रैल की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच घोषित युद्धविराम के बाद यह अब तक की सबसे गंभीर सैन्य तनाव वृद्धि है .इससे निवेशकों में सतर्कता बढ़ गई है और वैश्विक बाजार में अचानक उतार-चढ़ाव की संभावना बनी हुई है .

रुपया पहली बार 95 प्रति डॉलर से नीचे बंद

मुंबई, 5 मई. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में सोमवार को 39 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.23 रुपये का बोला गया.

रुपया पहली बार 95 प्रति डॉलर के नीचे बंद हुआ है.हालांकि बीच कारोबार में इसका अबतक का निचला स्तर 95.3450 रुपये प्रति डॉलर है जो 30 अप्रैल को दर्ज किया गया था।पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा चार पैसे की मजबूती के साथ 94.84 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा.यह 11 पैसे गिरकर 94.95 रुपये प्रति डॉलर पर खुला.सुबह के कारोबार में यह 94.80 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत भी हुआ, लेकिन इसके बाद लगातार टूटता हुआ 95.2550 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया.

केंद्र सरकार का कर संग्रह 23,40,406 करोड़

नई दिल्ली, 5 मई. वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार शुद्ध कर संग्रह के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी और यह संशोधित बजट अनुमान से 12.5 प्रतिशत कम रहा।वित्त मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में 23,40,406 करोड़ रुपये का शुद्ध कर संग्रह हुआ जो एक साल पहले के मुकाबले 5.12 प्रतिशत अधिक है.

हालांकि यह 26,74,661 करोड़ रुपये के संशोधित बजट अनुमान से 12.5 प्रतिशत कम है।सरकार ने बजट में 28,37,409 करोड़ रुपये के शुद्ध कर संग्रह का अनुमान व्यक्त किया था जिसे बाद में संशोधित कर 26.74 करोड़ रुपये किया गया था।वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र का सकल कर संग्रह 28,11,936 करोड़ रुपये रहा.यह एक साल पहले के 27,03,107 करोड़ रुपये की तुलना में 4.03 प्रतिशत अधिक है.इस दौरान रिफंड में 1.09 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी और यह एक साल पहले के 4,76,732 करोड़ रुपये की तुलना में 4,71,531 करोड़ रुपये रह गया.

गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह 11,82,972 करोड़ रुपये से बढ़कर 11,83,405 करोड़ रुपये पर और कॉर्पोरेशन कर के रूप में प्राप्त शुद्ध राजस्व 9,86,767 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,83,405 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.प्रतिभूतियों के लेनदेन पर वसूला गया कर 53,296 करोड़ रुपये की तुलना में 57,522 करोड़ रुपये हो गया.

अन्य मदों से प्राप्त कर संग्रह में गिरावट आयी है और यह 3,341 करोड़ रुपये से घटकर 312 करोड़ रुपये रह गया.

सोने और चांदी के बाजार हुए स्थिर

गोल्ड 1,49,325 रुपए, सिल्वर 2,43,222 रुपए पर

नई दिल्ली, 5 मई. मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक अस्थिरता के बीच मंगलवार को सोने और चांदी का कारोबार सीमित दायरे में रहा.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट सुबह 9:50 बजे 14 रुपए या 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 1,49,325 रुपए पर था.अब तक के कारोबार में सोने ने 1,49,325 रुपए का न्यूनतम और 1,49,950 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ.

चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 673 रुपए या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,43,222 रुपए पर कारोबार कर रहा था.अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,42,907 रुपए का

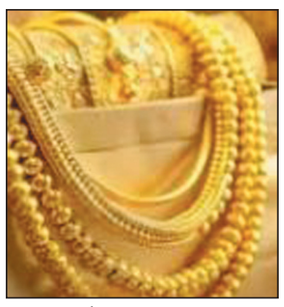

न्यूनतम और 2,43,927 रुपए का उच्चतम स्तर देखा.अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कॉमेक्स पर सोना 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,540 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73.21 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी.मिडिल ईस्ट तनाव ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सात छोटे जहाजों को डुबो दिया.इन जहाजों का उद्देश्य होर्मुज जलसंधि से गुजरने वाले जहाजों पर हमला करना था.हालांकि, ईरान ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन दावा किया है कि होर्मुज पर उसका नियंत्रण कायम है. वैश्विक अस्थिरता और तनाव के बीच डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर हुआ.

इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, रुपया दिन भर कमजोर होकर 95.33 पर बंद हुआ.रुपए की कमजोरी और मध्य पूर्व संकट ने सोना-चांदी की कीमतों को सीमित दायरे में रहने के लिए मजबूर किया.

बैंक ऋण वृद्धि 15 .9 प्रतिशत मजबूत

नयी दिल्ली , 5 मई देश में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ओर से विभिन्न क्षेत्रों को दिये जाने वाले ऋण कारोबार में वित्त वर्ष 2025-26 में 15.9 प्रतिशत की मजबूत ऋण वृद्धि दर्ज की गयी जो मजबूत आर्थिक गतिविधि और ऋण मांग को दर्शाती है. वित्त मंत्रालय की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 15.7 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले वर्ष के 10.4 प्रतिशत से अधिक है. यह मजबूत ग्रामीण मांग और बेहतर ऋण प्रवाह को दर्शाता है.औद्योगिक क्षेत्र में ऋण वृद्धि बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष 8.2 प्रतिशत थी. विज्ञप्ति के अनुसार इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र को दिये जाने वाले कर्ज में मजबूत वृद्धि का बड़ा योगदान है.

दयाल सिंह कॉलेज अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

नयी दिल्ली , 5 मई दिल्ली के दयाल सिंह कॉलेज में 'भारतीय भाषाओं में साहित्य सृजन : चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया. इस सेमिनार में देश-विदेश से अलग-अलग भाषाओं से जुड़े विद्वानों वक्ताओं ने हिस्सा लिया. यह सेमिनार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से हुआ.

सबसे पहले उद्घाटन सत्र में खास मेहमान के तौर पर प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी, वाइस चांसलर, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, झारखंड ने श्रोताओं को संबोधित किया. उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें अपनी भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर रुख करना होगा. दयाल सिंह कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. विनोद कुमार पालीवाल ने भी अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की.

इसके साथ ही, भारतीय भाषा समिति के संयोजक डॉ. कमल जीत सिंह ने संगोष्ठी में मौजूद सभी श्रोताओं का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि संयोजक के तौर पर हम भारतीय भाषाओं के लिए समर्पित है और हमारा एक मूल मकसद इन भाषाओं में रचित साहित्य का आपस में आदान-प्रदान करना है.

इसके साथ ही मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गट्टू लाल पाटीदार ने अपना वक्तव्य दिया. उन्होंने सेमिनार के विषय को समझाने का प्रयास किया. उद्घाटन सत्र में डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया.

इस सत्र में मंच संचालन डॉ. शिवरजनी सिंह द्वारा किया गया. अगले सत्र में डॉ. धर्मवीर सिंह, अध्यक्ष, उर्दू विभाग, इग्नू विशेष अतिथि रूप में शामिल हुए.

डॉ. मोनिका शर्मा ने इस सत्र की अध्यक्षता की तथा डॉ. मलिकियत सिंह, सेंटल यूनिवर्सिटी हिमाचल, धर्मशाला और डॉ. काकोली राय, दयाल सिंह कॉलेज ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए.

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से लुढ़के प्रमुख सूचकांक

मुंबई, 5 मई विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक नीचे बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 251.61 अंक (0.33 प्रतिशत) गिरकर 77,017.79 अंक पर बंद हुआ. इससे पहले सेंसेक्स की शुरुआत गिरावट में हुई थी और दोपहर तक यह 750 अंक से ज्यादा टूट गया था, लेकिन बाद में इसने काफी हद तक वापसी की.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 86.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत फिसलकर 24,032.80 अंक पर रहा. दोनों सूचकांक पिछले कारोबारी दिवस पर बढ़त में बंद हुए थे.

वृहद बाजार में लिवाली का जोर रहा. मझौली कंपनियों का मिडकैप-50 सूचकांक 0.07 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 प्रतिशत ऊपर रहा.

ऑटो, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टरों में अच्छी तेजी रही जबकि रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और बैंकिंग सेक्टरों के सूचकांक नीचे बंद हुए.

वाहनों की खुदरा बिक्री अप्रैल में 13% बढ़ी

देश में कुल 26,11,317 वाहन बिके

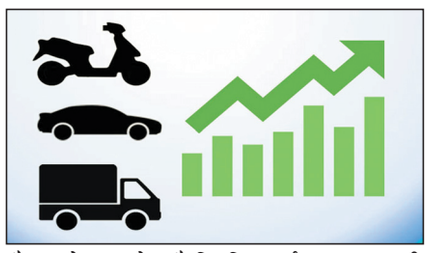

नई दिल्ली, 5 मई. घरेलू बाजार में वाहनों की मांग में पिछले कुछ समय से जारी तेजी वित्त वर्ष 2026-27 में भी बरकरार रही और अप्रैल में वाहनों की खुदरा बिक्री करीब 13 प्रतिशत सालाना बढ़कर 26.11 लाख के पार पहुंच गयी.

वाहन डीलरों के शीर्ष संगठन फाडा द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में देश में कुल 26,11,317 वाहन बिके. यह आंकड़ा इस साल मार्च की तुलना में 3.01 प्रतिशत कम है जबकि पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 12.94 प्रतिशत अधिक है.फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने बताया कि छह में से पांच वाहन श्रेणियों में अप्रैल महीने का नया रिकॉर्ड बना है. इससे स्पष्ट होता है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में संरचनात्मक मांग में तेजी आयी थी, वह नये वित्त वर्ष में भी जारी है.

रिपोर्ट के मुताबिक, यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 12.21 प्रतिशत बढ़कर 4,07,355 इकाई पर पहुंच गयी. दुपहिया की बिक्री में 13.01 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और यह 19,16,258 इकाई दर्ज की गयी.

चावल चीनी महंगे, गेहूं नरम

नयी दिल्ली, 5 मई घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया. चावल के साथ चीनी में भी तेजी देखी गयी जबकि में गिरावट रही. दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़ रही. औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 30 रुपये बढ़कर 3,860 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी. गेहूं छह रुपये सस्ता हुआ और 2,775 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे की कीमत भी छह रुपये घट गयी.

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा. मसूर दाल औसतन 38 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. उड़द दाल की कीमत 24 रुपये और मूंग दाल की 17 रुपये बढ़ गयी.

एनएसई ने लॉन्च किया इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट

नई दिल्ली, 5 मई. भारतीय राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज ने 4 मई 2026 से इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट लॉन्च किया, जो भारत के गोल्ड मार्केट को आधुनिक, पारदर्शी और संगठित बनाने की दिशा में बड़ा कदम है.

यह डिजिटल प्रणाली फिजिकल गोल्ड और फाइनेंशियल मार्केट के बीच की दूरी को कम करेगी. ईजीआर एक डिजिटल सिक्योरिटी है, जो असली सोने के मालिकाना हक को दर्शाती है. यह सेबी मान्यता प्राप्त वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है और निवेशक इसे डिमैट फॉर्म में होल्ड कर सकते हैं.एनएसई के अनुसार, ईजीआर से गोल्ड ट्रेडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी, कीमतों की सही खोज होगी और निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा. लॉन्च के मौके पर एनएसई ने 1000 ग्राम के सोने के बार को डिजिटल रूप में बदलकर ईजीआर में कन्वर्ट किया.

समाचार विशेष

अब मिशन 2027 : भाजपा ने अभी से कसी कमर

सात राज्यों के लिए बनाया विनिंग प्लान

नई दिल्ली. भाजपा ने अगले वर्ष उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है. पार्टी के सूत्रों के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इन राज्यों में जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है.

भारतीय राजनीति में एक प्रसिद्ध कहावत है- भाजपा कभी सोती नहीं है. पिछले तीन-चार दिनों की राजनीतिक गतिविधियां इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं. एक तरफ विपक्षी दल बंगाल में मतदान के अंतिम चरण में व्यस्त था तो उधर भाजपा अन्य राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत कर रही है.

एक पार्टी सूत्र ने कहा कि अधिकांश क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पार्टियां चुनावों के नजदीक आने पर अपनी नीतियां और रणनीतियां बनाती हैं, जबकि भाजपा 24*7, 365 दिन सक्रियता में रहती है. पार्टी वेट एंड वाच नीति का पालन नहीं करती. हमारे लिए एक चुनाव का समापन अगले चुनाव की तैयारी की शुरुआत है. बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में संपन्न हो चुके हैं.

> भाजपा अध्यक्ष ने इन राज्यों में कई बार यात्राएं की, तैयारियों की समीक्षा की और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रणनीतिक बैठकें की. इन व्यस्त कार्यक्रमों के बीच भाजपा प्रमुख ने गोवा, गुजरात और उत्तर प्रदेश का भी दौरा किया. 2027 में गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा इसकी तैयारी कर रही है. पार्टी के एक सूत्र ने कहा कि यह दीर्घकालिक दृष्टिकोण और काडर-आधारित राजनीति ही उसे चुनावी मशीनरी में अजेय बनाती है.

महाविकास अघाड़ी की एकता पर संकट

मुंबई. उद्धव ठाकरे ने विधान परिषद का चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है. कांग्रेस के महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने निजी रूप से उनसे मिल कर कहा था कि वे विपक्ष के साझा उम्मीदवार के रूप में विधान परिषद में जाएं.

शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने भी उद्धव ठाकरे से यही अपील की थी. लेकिन उद्धव ने खुद विधान परिषद में जाने की बजाय अपनी पार्टी के नेता अंबादास दानवे को उम्मीदवार बना दिया है. यह कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी दोनों को कबूल नहीं है. बताया जा रहा है कि दोनों पार्टियां ठगा हुआ महसूस कद्ध र रही हैं. खासतौर से कांग्रेस नाराज है. शरद पवार की एनसीपी को कोई फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि उद्धव ठाकरे ने अपना समर्थन देकर शरद पवार को राज्यसभा भेजा था. इसलिए उनकी पार्टी उद्धव की पसंद का सम्मान करेगी. लेकिन कांग्रेस को लग रहा है कि उसके साथ धोखा हुआ है.

झारखंड में कांग्रेस को ठेंगा दिखाएंगे हेमंत !

रांची. झारखंड में मई 2026 यानी इसी महीने के अंदर राज्यसभा का चुनाव होना है. राज्य की दो राज्यसभा सीटों पर यह चुनाव होगा. एक तरफ सीएम हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी होंगी. वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के बीच मुकाबला होगा.

इन चुनावों को लेकर कांग्रेस और जेएमएम में खींचतान का दौर शुरू हो गया है. दो सीटों में से कांग्रेस ने कहा है कि एक सीट पर उनका अधिकार है, जबकि जेएमएम दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने के मूड में दिख रही है.

इस बीच कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि उनकी पार्टी अपने सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से इस साल जून में एक राज्यसभा सीट की मांग करेगी, क्योंकि दो सीटों में से एक पर उसका अधिकार बनता है. राजू ने यह भी कहा कि पिछले तीन राज्यसभा चुनावों में राज्य का सत्तारूढ़ गठबंधन सिर्फ एक सीट जीतने की स्थिति में था, इसलिए तीनों बार सीट झामुमो के पास गई, लेकिन इस बार यह गठबंधन दोनों सीट जीतने की स्थिति में है. राजू ने कहा कि इस बार हमारे पास दो सीटों के लिए संख्या बल है, इसलिए हमें एक सीट के लिए अनुरोध करने का अधिकार है. हम जल्द ही (मुख्यमंत्री) हेमंत सोरेन से बात करेंगे और एक सीट के लिए अनुरोध करेंगे.

जून में खाली हो रही दो सीटों के लिए होना है चुनाव- इस साल जून में खाली हो रही झारखंड से दो राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा. एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के पिछले साल हुए निधन के बाद से रिक्त है तथा दूसरी सीट पर बीजेपी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा हो रहा है.

कैसा है विधानसभा में संख्या बल

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 विधायक हैं . झामुमो के 34 विधायक हैं तो कांग्रेस 16 विधायकों के साथ गठबंधन का दूसरा सबसे बड़ा घटक है . इसके अलावा आरजेडी क 4 और लेफ्ट के पास दो विधायक हैं . वहीं संख्याबल को देखते हुए दोनों सीटों पर इंडिया गठबंधन की दावेदारी बेहद मजबूत मानी जा रही है, लेकिन सीट बंटवारे को लेकर पेच फंस सकता है .

विशेष | बिहार यात्रा को पहले तरजीह, फिलहाल सत्ता को ना

क्या जदयू के लिए संजीवनी साबित होगी निशांत की यात्रा ?

पटना. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की बिहार यात्रा का फलाफल आगे जो भी निकले ,पर यह यात्रा जनता दल यूनाईटेड की राजनीति के लिए संजीवनी साबित होगी. मुख्यमंत्री पद से हटकर नीतीश कुमार ने जदयू के एक बड़े वर्ग को नाराज कर दिया था.

जदयू कार्यालय में तो विरोध का सिलसिला ही चल पड़ा था. धरने पर बैठे, पोस्टर बाजी शुरू हुई.. पर नीतीश कुमार अपने निर्णय पर अटल दिखे. ऐसे में नीतीश समर्थकों ने निशांत कुमार में अपना भविष्य देखा.

जनता दल यूनाईटेड की राजनीति में जब संजय झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का वर्चस्व बढ़ता दिखा तो नीतीश समर्थकों का दूसरा थॉट बनकर निशांत कुमार आए. नीतीश समर्थकों ने तब निशांत कुमार को बतौर सीएम प्रोजेक्ट करते हुए नारा बुलंद किया. लेकिन यह नीतीश कुमार की कार्बन कॉपी बनने का ही कमाल है कि निशांत कुमार ने बिहार यात्रा को पहले तरजीह दी और फिलहाल सत्ता को ना किया. निशांत कुमार के इस निर्णय का न केवल उनकी पार्टी के समर्थकों ने बल्कि नीतीश के विकास के समर्थकों ने भी स्वागत किया.

परिवारवाद के तिलिस्म के विरुद्ध- निशांत कुमार ने सत्ता के आसान रास्ते की धार पर चढ़ने के बजाय बिहार यात्रा के कठिन विकल्प को चुना. सबसे बड़ी बात तो यह है कि सत्ता की कुर्सी पर बैठने के पहले जनता की स्वीकृति को महत्व देने वाले आज निशांत कुमार ने खुद को परिवारवाद के अलग रंग में रंगने का फायदा लिया. उन्होंने खुद को गोल्डन स्पून लेकर पैदा होने वाले राजनीतिज्ञों से खुद को अलग रखकर यह तय किया कि वे पहले बिहार को, बिहार की जरूरतों को अपनी नजरों से देखें और पिता नीतीश कुमार की समझ से राजनीतिक समझ को विकसित करें तब वे सक्रिय राजनीति की बागडोर जनता से मिले मैंडेट के बाद थामेंगे.

निशांत का प्लान वन- अपने पिता नीतीश कुमार की राह पर निकलने वाले निशांत का यह प्लान नंबर वन है. इस अभियान से निशांत कई बड़े संदेश बिहार के राजनीतिक जगत में फैलाना चाहते हैं.

यात्रा का उद्देश्य

- सत्ता सुख नहीं जनता की समस्या को समझना
- नीतीश की बिहार में रह गई कमियों का आकलन.
- नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट औद्योगिकीकरण की बढ़ती संभावना के स्थल चयन.
- कृषि उत्पाद और उसका बाजार.
- सात निश्चय पार्ट थ्री का इम्प्लीमेंट की स्थिति का मूल्यांकन